अर्ज़ करू मैं एक तुमसे | By Sanjeev Kumar (Hans)

अर्ज़ करू मैं एक तुमसे ओ मेरे श्याम धणी
एक बार आओ मेरे अंगना ओ मेरे श्याम धणी
अर्ज़ करू मैं एक तुमसे.....

अरमां यही एक मन में है
रहता है ये दिल इसी धुन में है
आने से तेरे बहार आये
खिल जाये फूल चमन में है
कोना कोना महका दो ओ मेरे श्याम धणी
अर्ज़ करू मैं एक तुमसे.....

पलकें अपनी बिछाऊँ मैं श्याम
बागा तुझे पहनाऊं मैं श्याम
छप्पन भोग बनाऊं हे श्याम
हाथों से अपने खिलाऊँ मैं श्याम
तेरा भजन करू गुणगान करू ओ मेरे श्याम धणी
अर्ज़ करू मैं एक तुमसे.....

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%85%e0%a4%b0%e0%a5%8d%e0%a4%9c%e0%a4%bc-%e0%a4%95%e0%a4%b0%e0%a5%82-%e0%a4%ae%e0%a5%88%e0%a4%82-%e0%a4%8f%e0%a4%95-%e0%a4%a4%e0%a5%81%e0%a4%ae%e0%a4%b8%e0%a5%87-by-sanjeev-kumar-hans/